प्रदेश का पहला 200 MVA ट्रांसफार्मर दमोह में ऊर्जीकृत

चर्चा में क्यों?

25 जुलाई, 2022 को मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने 220 **KV** सब स्टेशन दमोह में 160 **MVA** क्षमता के स्थान पर विशेष डिजाइन से तैयार किया गया प्रदेश का पहला 200 **MVA** क्षमता का पावर ट्रांसफार्मर उर्जीकृत किया।

प्रमुख बिंदु

- ट्रांसमिशन कंपनी के मुख्य अभियंता प्रोक्योरमेंट जबलपुर इंजीनियर अजय श्रीवास्तव ने बताया कि मध्य प्रदेश में परंपरागत 120**MVA** या 160 **MVA** के पावर ट्रांसफार्मर लगाए जाते थे। इनके स्थान पर 200 **MVA** क्षमता का यह पहला पावर ट्रांसफार्मर है।
- दमोह में इस ट्रांसफार्मर के स्थापित होने से ज़िले के हट्टा, तेजगढ़, बटियागढ़ तथा पटेरा के 132 **KV** सब-स्टेशनों से जुड़े विद्युत उपभोक्ताओं के अलावा सागर, छतरपुर, टीकमगढ़ ज़िले के सब-स्टेशनों को भी फायदा होगा। यहाँ किसी इमरजेंसी में 220 **KV** सब-स्टेशन दमोह से सप्लाई की जा सकेगी।
- गौरतलब है कि दमोह पूर्व में मध्य प्रदेश विद्युत मंडल का प्रमुख लोड सेंटर हुआ करता था। दमोह से सागर, टीकमगढ़, छतरपुर, बिजावर, बीना आदि क्षेत्रों सहित अनेक सीमेंट फैक्ट्रियों तथा रेलवे को विद्युत आपूर्ति की जाती थी।
- दमोह ज़िले में 16 जून, 1967 को पहला अति उच्च दाब सब-स्टेशन5 **MVA** क्षमता के साथ प्रारंभ हुआ था। वर्तमान में दमोह ज़िले में 220 **KV** एक तथा 132 **KV** के पाँच सब-स्टेशनों के साथ विद्युत आपूर्ति की जाती है।
- दमोह में 220 **KV** साइड की 360 **MVA** तथा 132 **KV** साइड की 530 **MVA** की मज़बूत ट्रांसफॉर्मेशन क्षमता है, जो ज़िले के उपभोक्ताओं को उचित गुणवत्ता की निर्बाध विद्युत आपूर्ति करने में सक्षम है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/state-s-first-200-mva-transformer-energized-at-damoh